कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

जुलाई 2025, अंक 15

विकसित कृषि संकल्प अभियान अन्तर्गत किसानों के साथ संवाद

विकसित कृषि संकल्प अभियान अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 29 मई 2025 से 12 जून 2025 तक चूरू जिले के सरदारशहर, रतनगढ, सुजानगढ एवं बीदासर ब्लॉक के विभिन्न गांवों में जन सम्पर्क अभियान एवं ग्राम स्तरीय कृषि शिविरों का आयोजन किया गया । कार्यक्रम अन्तर्गत जिले के 90 गांवों के क्रियाशील किसान, किसान महिलाओं, युवा कृषक उधमियों एवं राजिवीका से जुडी हुई कृषि सखी एवं पशु सखी महिलाओं ने भाग लिया । कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग चूरू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किये गये अभियान कार्यक्रमों में जिले के कार्यरत कृषि पर्यवेक्षकों, सहायक कृषि अधिकारी तथा ग्राम विकास अधिकारी, कृषि उपज मंडी कर्मचारियों एवं विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञों के साथ मिलकर खरीफ फसलों में उत्पादन एवं उत्पादकता बढाने हेतू कृषकों के साथ संवाद किया गया । अभियान के अन्तर्गत जिले के 20000 से अधिक किसानों ने जन सम्पर्क अभियान, शिविर, न्यूजपेपर, सोशल मिडिया आदि के माध्यम से कृषि संबंधित नवीन तकनीकों को सीखा ।

कार्यक्रम अन्तर्गत चूरू जिले के लिए उपयुक्त खरीफ फसलों (बाजरा, मूंग, मोठ, ग्वार, कपास एवं तिल) आदि की कृषि संबंधित नवीन तकनीकों (उन्नत बीज किस्म, बीजोपचार तकनीक, बुवाई विधि, मृदा स्वास्थय एवं पोषण प्रबंधन हेतु उर्वरकों का समुचित उपयोग, कृत्रिम एवं जैविक, कीट प्रबंधन तकनीक, मृदा स्वास्थय कार्ड अनुरूप उर्वरक सिफारिशों का प्रयोग, बीज भंडारण तकनीक, फसलोत्र प्रबंधन तकनीक) आदि के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई । जिले में बागवानी के बढते हुए क्षैत्रफल को देखते हुए विशेषज्ञों द्वारा शुष्क क्षैत्र में उगाये जाने वाले फलदार पौधों (बेर, अनार, करौंदा, बीलपत्र, खजूर) की विभिन्न बागवानी कियाओं के बारे में कृषकों के साथ वार्ता की गई ।

नया बगीचा स्थापना हेतु उपयुक्त स्थान का चयन, सूखा सहनशील फलदार पौधों के चयन, गढढे को तैयार कर मिट्टी भराव के तरीके, सिंचाई प्रबंधन हेतु ड्रीप एवं मल्चिंग विधि, मिट्टी एवं जल सरंक्षण तकनीक, पवनरोधी बाड बनाने के तरीके आदि के बारे में किसानों को जानकारी देकर राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही उद्यानिकी योजना में जुडने हेतु प्रेरित किया गया ।

रतनगढ तहसील के सब्जी उत्पादक कृषकों से अभियान के अन्तर्गत सब्जी उत्पादन हेतु खेती की गहरी जुताई

तकनीक, उर्वरक एवं खाद प्रबंधन, क्यारी निर्माण, प्रमाणित बीज चयन प्रक्रिया, बीजोपचार विधि, जैविक उपचार, नर्सरी की पौध रोपण विधि, बीज बोने की दूरी, सिंचाई, उर्वरक प्रबंधन (गोबर खाद, वर्मीकम्पोस्ट, नीम खली, सुपर कम्पोस्ट) जैविक कीट नियंत्रण विधियॉं एवं उपयुक्त समय पर सब्जी तुडाई, ग्रेडिग, पैकिंग, मार्केटिंग आदि के बारे में संवाद कर विभिन्न पहलुओं पर उनकी समस्याओं का उचित निराकरण किया गया ।

कार्यक्रम अन्तर्गत कृषि विभाग, चूरू के प्रतिनिधियों द्वारा राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषि वानिकी,

बागवानी एवं पशुपालन संबंधित अनुदान योजनाओं से जुडकर लाभ लेने हेतु आवश्यक मापदंडों एवं दिशा–निर्देशों के बारे में सभी किसानों को अवगत कराया साथ ही केन्द्र सरकार की कृषि कल्याण योजनाओं (च्डथ्ठल्एज्ञब्ल्एच्डझैल्ए छस्ड द्ध में अधिकाधिक लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया । जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती बढाने हेतु वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं प्रगतिशील किसानों ने आपसी समन्वय स्थापित कर निर्धारित भूमि पर जैविक कृषि तकनीक को अपनाने पर विचार विमर्श किया गया । प्राकृतिक कृषि पद्वति को बढाने के लिए इसके प्रमुख अवयवों जैसे–प्राकृतिक, बीज उपचार विधि, जीवामृत, प्राकृतिक कीटनाशक (नीमास्त्र, ब्रहमास्त्र, अग्नि अस्त्र) आदि की तकनीकी को विशेषज्ञों द्वारा कृषकों को अवगत करवाया गया ।

बकरीपालन से स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण का आयोजन

केन्द्र द्वारा सरदारशहर, रतनगढ एवं सुजानगढ तहसील के 26 पशुपालकों हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 23 से 27 जून तक आयोजित किया गया । इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बकरीपालकों को राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अन्तर्गत उधमिता विकास संबंधित गतिविधियों से जोडना था ताकि ग्रामीण स्तर के बकरीपालक आय सर्जन कर स्वालम्बी एवं आत्मनिर्भर बन सके ।

प्रशिक्षण संयोजक श्री श्यामबिहारी ने जिले हेतु उपयुक्त बकरीयों की नस्ल, बकरियों की आवास व पोषण व्यवस्था, हरा चारा, फसल चक्र, बकरीयों के बच्चों का रख रखाव, ग्याभिन बकरियों एवं प्रजनक बकरों के रख रखाव के बारे में प्रशिक्षित किया । प्रशिक्षण दौरान बकरियों के स्वास्थय संबंधी विकारों, पेट के कीडे व बाह्य व आंतरिक परजिवियों की रोकथाम व प्रबंधन के बारे में सामुहिक चर्चा की गई । साथ ही बकरियों में होने वाले प्रमुख रोगों (फिडकिया, निमोनिया, दस्त, आफरा, पॉक्स) आदि के प्रमुख लक्षणों एवं रोकथाम हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रमुख योजनाओं की जानकारी भी दी गई । कार्यक्रम के समापन समारोह में सभी बकरीपालकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए ।

मूँग व ग्वार उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा दिनांक 25 से 26 जून 2025 तक अनुसूचित जाति उप–योजना अन्तर्गत मूंग व ग्वार उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 32 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया ।

प्रशिक्षण दौरान किसानों को चूरू जिले की भौगोलिक एवं वातावरणीय परिस्थितियों के अनुरूप कम समय एवं बारानी में उच्च उत्पादन देने के साथ–साथ उच्च पोषक मूल्य वाली किस्मों के चयन, बुवाई से पूर्व बीज उपचार, खाद एवे उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कीट व रोग प्रबंधन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी ।

''हरियालो राजस्थान'' अन्तर्गत पौधारोपण अभियान

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर, कृषि विभाग, चूरू तथा खाद बीज एसोसियेसन सरदारशहर के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 28 जून 2025 को ''हरियालो राजस्थान'' विषय अन्तर्गत पोधारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार, चूरू डॉ. मुकेश कुमार माथुर तथा परियोजना निदेशक–आत्मा डॉ. राजकुमार कुल्हरी तथा केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी के नेतृत्व में सरदारशहर में 1000 छायादार पौधे (नीम, करंज, शीशम, खेजडी आदि) लगाने का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । इस अभियान का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के मरूस्थलीय क्षैत्रों में पर्यावरण सरंक्षण के साथ–साथ हरियाली बढाना है । साथ ही वृक्षरोपण एवं वनीकरण की वैज्ञानिक तकनीक को वर्षा जल संचयन के साथ जोडकर पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढाना है । कार्यक्रम अन्तर्गत सभी सहभागियों एवं इनपुट डीलर्स को अपशिष्ट प्रबंधन की नवीन तकनीकियों एवं कम्पोस्टिंग प्रणाली से अवगत करवाकर पौधारोपण की विधि को विस्तृत रूप से समझाया गया । कार्यक्रम के दौरान सभी को सामुदायिक स्तर पर अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया ।

केवीके फार्म पर बीज उत्पादन हेतु बुवाई कार्य

कृषि विज्ञान केन्द्र के फार्म प्लॉट पर बीज उत्पादन इकाई में मूंग (एमएच–1142) व ग्वार (आर जी सी–1033, आर जी आर–20–1) की लाईन sowing द्वारा बिजाई का कार्य किया गया । जिसमें बीजों को कार्बन्डाजिम (**50WB**) द्वारा उपचारित कर सीड–कम–फर्टीलाईजर द्वारा बीजाई की गई ।

लनकर्ता

श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ)
श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ)
श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ)
श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ)
श्री कानाराम सोढ (फार्म मैनेजर)
श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)

संपादक

डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान)

Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो
Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट

प्रकाशक

डॉ. वी. के. सैनी
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र,
सरदारशहर,चूरू–I